CHOITHRAM SCHOOL, MANIK BAGH, INDORE

ANNUAL CURRICULUM PLAN SESSION 2017 – 2018

CLASS: IX

SUBJECT: HINDI

Month & Working Days	Theme/ Sub-theme	Learning Objectives		Activities & Resources	Expected Learning Outcomes	Assessment
		Subject Specific (Content Based)	Behavioural (Application based)			
जून 15	दु:ख का अधिकार	1–कहानी विधा के प्रति रुझान बढ़ाना। 2–कल्पनाशीलता का प्रयोग सिखाना। 3–नुक्तायुक्त शब्दों का परिचय एवं अभ्यास 4–पंचम वर्ण के प्रयोग का अभ्यास कराना। 5–विराम चिह्नों का अभ्यास कराना। 6–पात्रों के संवादों को उतार –चढ़ाव व हाव–भाव के साथ बोलना सिखाना।	1–संवेदनशील बनाना। 2–तार्किक एवं विश्लेषणात्मक बुद्धि का विकास करना। 3–समस्या को पहचानकर उसका समाधान करना सिखाना। 4–विचारशील बनकर निर्णय लेने की क्षमता का विकास करना। 5–जन–जीवन में फैले अंधविश्वासों की चर्चा करना। 6–पोशाक के साथ–साथ हमारा व्यवहार भी अच्छे विचारों व मूल्यों से युक्त हो – इस बात का महत्व समझाना।	गतिविधि– (1) जयशंकर प्रसाद की छोटा जादूगर कहानी सुनाना https://www.bharatdarshan.co.nz/magazine/articles/.../chhota-jadoogar-jaishankar.html गतिविधि– (2) व्यक्ति की पहचान उसकी पोशाक से होती है। इस विषय पर समूह चर्चा लेखन कार्य गतिविधि– (3) अनुच्छेद लेखन–वर्तमान समय में समाज में फैले अंधविश्वास का औचित्य	अधिगम उपलब्धि 1–संवेदनशील बने। 2–तार्किक एवं विश्लेषणात्मक बुद्धि का विकास हुआ । 3–समस्या को पहचानकर उसका समाधान करने लगे। 4–विचारशील बनकर निर्णय लेने की क्षमता का विकास हुआ। 5–जन–जीवन में फैले अंधविश्वासों की चर्चा करना। 6–कहानी विधा के प्रति रुझान बढा। 7–नुक्तायुक्त शब्दों से परिचित हुए। 8–पंचम वर्ण व विराम चिह्नों का अभ्यास हुआ। 9–संवादों को आवाज़ के उतार चढ़ाव के साथ बोलना सीखा।	परिचर्चा के माध्यम से

			7–हर घटना व परिस्थिति में स्वविवेक से काम लेना सिखाना।			
	रैदास	1–भक्त कवि रैदास के पदों से परिचित कराना। 2–काव्य को ध्यानपूर्वक सुनने की क्षमता का विकास करना। 3–सुनकर अर्थग्रहण करने की क्षमता का विकास करना। 4–नवीन शब्दावली से परिचित कराना। 5–अपने विचारों को क्रमबद्ध रूप से लिखने का अभ्यास कराना	1–सबके प्रति समदर्शी भाव रखने की सीख देना। 2–ईश्वर को बाहर न ढूँढकर स्वयं के भीतर ही अस्तित्व को महसूस करने हेतु प्रेरित करना।	पाठ पढ़ाने के पूर्व की गतिविधि **गतिविधि (1)** रैदास द्वारा रचित पदों का अनूप जलोटा के द्वारा गायन का ऑडियो https://m.youtube.com/watch?v=VqSRpnKPh_k **गतिविधि (2)** भजन पर आधारित प्रश्नों का अभ्यास पत्रक **गतिविधि (3)** विद्यार्थियों के द्वारा दोनों पदों की व्याख्या **गतिविधि (4)** अनुच्छेद–लेखन 1 'मोको कहाँ ढूँढे बंदे मैं तो तेरे पास में' 2 सर्वधर्म समभाव	1–भक्त कवि रैदास के पदों से परिचित हुए। 2–काव्य को ध्यानपूर्वक सुनने की क्षमता का विकास हुआ। 3–सुनकर अर्थग्रहण करने की क्षमता का विकास हुआ। 4–नवीन शब्दावली से परिचित हुए। 5–अपने विचारों को क्रमबद्ध रूप से लिखने का अभ्यास हुआ। 6–साबके प्रति समदर्शी भाव रखने की सीख से परिचित हुए। 7–ईश्वर को बाहर न ढूँढकर स्वयं के भीतर ही अस्तित्व को महसूस करने हेतु प्रेरित हुए।	**अनुच्छेद के माध्यम से**
	व्याकरण–अनुस्वार, अनुनासिक,पंचमवर्ण, नुक्ता,वर्ण–विच्छेद	**1**–अनुस्वार, अनुनासिक,पंचम वर्ण व नुक्ता से परिचित कराना। 2–वर्ण–विच्छेद व वर्ण–संयोजन का अभ्यास कराना।	1–क्रियात्मकता व रचनात्मकता का विकास करना। 2– आत्मविश्वास में वृद्धि करना।	**वर्कशीट**	**1**–अनुस्वार, अनुनासिक,पंचम वर्ण व नुक्ता से परिचित हुए। 2–वर्ण–विच्छेद व वर्ण–संयोजन का अभ्यास हुआ। 3–क्रियात्मकता व रचनात्मकता का विकास हुआ। 4– आत्मविश्वास में वृद्धि हुई।	वर्कशीट के माध्यम से
जुलाई 24	**आदमीनामा**	**1**–सही वर्तनी एवं विराम चिह्न, उचित शब्दों का	**1**–नैतिक मूल्यों का विकास करना। **2**–आत्मविश्लेषण	पाठ पढ़ाने के पूर्व –**गतिविधि1**–आदमीनामा नज़्म मोहम्मद रफी की आवाज में सुनाना।	1 सही वर्तनी एवं विराम चिह्न, उचित शब्दों का प्रयोग करते हुए लेखन करना सीखा।	**अनुच्छेद लेखन के माध्यम से**

		प्रयोग करते हुए लेखन का अभ्यास कराना। 2–कल्पनाशीलता का विकास करना। 3–अर्थभेद का ज्ञान कराना। 4 काव्यलेखन का अभ्यास कराना। 5 ध्यानपूर्वक सुनन की क्षमता का विकास करना। 6 सुनकरअर्थबोध करने की क्षमता का विकास करना।	क्षमता का विकास करना। 3–जीवन के प्रति सकारात्मक नजरिया विकसित करना। 4–अपनी संभावनाओं और क्षमताओं को पहचानकर व्यक्तित्व विकास की सीख देना।	**गतिविधि 2** –छात्रों की कमियों और खूबियों को दर्शाते हुए छात्रनामा लिखिए। **गतिविधि 3 अनुच्छेद लेखन**–कर्म ही इंसान की पहचान **गतिविधि 4 उचित स्थान पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए**–जरा , फन, राज , खत, नमाज,कागज	2 कल्पनाशीलता का विकास हुआ। 3 अर्थभेद का ज्ञान हुआ । 4 काव्यलेखन का अभ्यास हुआ। 5 सुनकर अर्थबोध करने की क्षमता का विकास हुआ। 6 नैतिक मूल्यों का विकास हुआ। **7**आत्मविश्लेषण क्षमता का विकास हुआ। 8 जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण का विकास हुआ। 9 अपनी संभावनाओं और क्षमताओं को पहचानकर व्यक्तित्व विकास की सीख से परिचित हुए। 10 ध्यानपूर्वक सुनन की क्षमता का विकास हुआ।	

	धूल	1–विराम चिह्न, शुद्ध उच्चारण का प्रयोग करते हुए पढ़ना सिखाना। 2–कठिन शब्दों के अर्थ को समझाना। 3–मुहावरों का सटीक प्रयोग करना सिखाना। 4–अर्थबोध एवं ग्राह्य क्षमता बढ़ाना। 5–शब्द भण्डार बढ़ाना। 6–एकाग्रता से सुनना सिखाना। 7–महत्त्वपूर्ण पंक्तियों के अर्थ को समझना। 8–अपनी बातों की सटीक एवं तर्कपूर्ण अभिव्यक्ति करना सिखाना। 9–व्यंग्य विधा से परिचित कराना।	1–जीवन में धूल के महत्त्व को समझाना। 2–धूल के प्रति श्रद्धा और आत्मीय भाव जागृत करना। 3–धूल को स्वच्छ रखने के लिए जागरुक करना। 4–स्वजागरुक बनाना। 5–संश्लेषण एवं विश्लेषण करना सिखाना। 6–चिन्तन एवं विचार करना सिखाना। 7– बच्चों में कलात्मक एवं सृजनात्मक दृष्टिकोण का विकास। 8–जीवन में मजदूर, किसान आदि लोगों के प्रति सम्मान के भाव जागृत करना। 9–मिट्टी और शरीर के संबंध को समझाना।	**गतिविधि –(1)** मिट्टी के पकारों पर चर्चा **गतिविधि –(2)** 1–भूमि प्रदूषण को रोकने के लिए नारे, पोस्टर एवं स्लोगन बनाना। " 2–अनुच्छेद लेखन –हीरा वही घन चोट न टूटे। 3–कविता लेखन – मिट्टी। 4–संवाद लेखन – मिट्टी अनमोल इसकी सुरक्षा ही मानव की रक्षा है। इस विषय पर दो मित्रों के बीच होने वाले संवाद को लिखिए।" **गतिविधि –(3)** मिट्टी के प्रति हम श्रद्धा भक्ति और स्नेह प्रकट करते हैं, कैसे ? विस्तार से लिखें। **गतिविधि –(4)** शिवमंगलसिंह सुमन की कविता 'मिट्टी की महिमा' बच्चो को सुनाई जाएगी। (आडियो) **तिविधि –(5)** मिट्टी से मनपसंद वस्तु बनाइए एवं उसके बारे में बताए,साथ ही यह भी बताए की जब आप उसे बना रहे थे तब आपने क्या –क्या सोचा। **ातिविधि–(6)** रस ,रूप ,गंध, स्पर्श प्रकृति से ही संभव है इस बात को स्पष्ट करने के लिए पाँच–पाँच उदाहरण दीजिए– **गतिविधि –(7)** उपसर्ग छाटिए–	1–विराम चिह्न, शुद्ध उच्चारण का प्रयोग करते हुए पढ़ना सीखा। 2–कठिन शब्दों के अर्थ को समझा। 3–मुहावरों का सटीक प्रयोग करना आया। 4–अर्थबोध एवं ग्राह्य क्षमता में वृद्धि हुई। 5–शब्द भण्डार बढ़ा। 6–एकाग्रता से सुनना सीखा। 7–महत्त्वपूर्ण पंक्तियों के अर्थ को समझा। 8–अपनी बातों की सटीक एवं तर्कपूर्ण अभिव्यक्ति करना सीखा। 9–जीवन में धूल के महत्त्व को समझा। 10–धूल के प्रति श्रद्धा के भाव रखना जागृत हुए। 11–धूल को स्वच्छ रखने के लिए जागरुक बने। 12–स्वजागरुक बने। 13–संश्लेषण एवं विश्लेषण करना सीखा। 14–चिन्तन करना एवं विचार करना सीखा। 15–गोधूलि बेला का महत्त्व स्पष्ट किया। 16–जीवन में मजदूर, किसान आदि लोगों के प्रति सम्मान के भाव जागत हुआ। 17–मिट्टी और शरीर के संबंध	पाठ के वाचन के माध्यम से

					को समझा।	
	गिल्लू	1–संस्मरण नामक गद्य विधा को समझाना। 2–अपठित के रूप में प्रश्नोत्तर ढूढ़ने का अभ्यास कराना।	1–जीव–जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता को जागृत करना। 2–प्रकृति के प्रति प्रेम व उत्तरदायित्व की भावना का विकास करना।	अपठित तौर पर प्रश्नों के उत्तर ढूँढ़ना।	1–संस्मरण नामक गद्य विधा को समझा। 2–अपठित के रूप में प्रश्नोत्तर ढूढ़ने का अभ्यास हुआ। 3–जीव–जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता जागृत हुई। 4–प्रकृति के प्रति प्रेम व उत्तरदायित्व की भावना विकसित हुई ।	अपठित तौर पर प्रश्नों के उत्तर ढूँढ़न के माध्यम से
	व्याकरण– उपसर्ग व प्रत्यय	1–विभिन्न उपसर्गों व प्रत्ययों से परिचित कराना। 2– उनके प्रयोग के द्वारा नवीन शब्दों की रचना करने का अभ्यास कराना। 3– मूल शब्द व उपसर्ग/प्रत्यय अलग करने का अभ्यास कराना।	1–क्रियात्मकता व रचनात्मकता का विकास करना। 2– आत्मविश्वास में वृद्धि करना।	वर्कशीट	1–विभिन्न उपसर्गों व प्रत्ययों से परिचित हुए। 2– उनके प्रयोग के द्वारा नवीन शब्दों की रचना करने का अभ्यास हुआ। 3– मूल शब्द व उपसर्ग/प्रत्यय अलग करने का अभ्यास हुआ। 4–क्रियात्मकता व रचनात्मकता का विकास हुआ। 5– आत्मविश्वास में वृद्धि हुई।	वर्कशीट क माध्यम से
अगस्त 21	**एवरेस्ट : मेरी शिखर यात्रा**	1–समाचार–लेखन व वाचन का अभ्यास कराना। 2–आँखों देखा हाल सुनाने की कला का विकास करना। 3–अपने विचारों को क्रमबद्ध रूप	1–निर्णय लेने की क्षमता का विकास करना। 2–विश्लेषण क्षमता का विकास करना। 3–दृढ़ निश्चय के महत्त्व से परिचित कराना। 4–निरंतर संघर्ष	पाठ पढाने के पूर्व – **गतिविधि (1)** अतिथि वक्ता **गतिविधि (2)** अनुच्छेद लेखन 1–'मन के हारे हार है, मन के जीते जीत' 2–साथी हाथ बढाना (पाठ का संदर्भ देते हुए) **गतिविधि (3)** समाचार–लेखन व वाचन 1–पाठ का समाचार के रूप में रूपांतरण 2–विद्यालय का खेल–दिवस/वार्षिकोत्सव 3– प्रदर्शनी	1–समाचार–लेखन व वाचन का अभ्यास हुआ। 2–आँखों देखा हाल सुनाने की कला का विकास हुआ। 3–अपने विचारों को क्रमबद्ध रूप से प्रस्तुत कर सकने में सक्षम हुए। 4–नये शब्दों से परिचित हुए। 5–कल्पनाशीलता का विकास	आँखों देखा हाल/समाचार वाचन के माध्यम से

		से प्रस्तुत कर सकने में सक्षम बनाना। 4–नये शब्दों से परिचित कराना। 5–कल्पनाशीलता का विकास करना। 6–शब्दों को उचित वर्तनी के साथ लिखने का अभ्यास कराना। 7–विचारों को उचित हाव–भाव व आवाज़ के उतार–चढ़ाव के साथ अभिव्यक्त करने में सक्षम बनाना। 8–विराम चिह्नों का अभ्यास कराना। 9–प्रत्यय व उपसर्ग के प्रयोग द्वारा नवीन शब्दों का निर्माण करने का अभ्यास कराना।	करने और हार न मानने के महत्त्व से परिचित कराना। 5–आपसी सहयोग के महत्त्व का प्रतिपादन करना।	**गतिविधि (4)** आँखों देखा हाल 1–क्रिकेट मैच या अन्य कोई खेल 2– बाढ़ग्रस्त क्षेत्र 3– विद्यालय का खेल–दिवस **गतिविधि (5)** रचनात्मक प्रश्न **गतिविधि (5)** वर्कशीट(विराम चिह्न, उपसर्ग, प्रत्यय) **गतिविधि (6)** पाठाधारित श्रुतलेख	हुआ। 6–शब्दों को उचित वर्तनी के साथ लिखने का अभ्यास हुआ। 7–विचारों को उचित हाव–भाव व आवाज़ के उतार–चढ़ाव के साथ अभिव्यक्त करने में सक्षम हुए। 8–विराम चिह्नों का अभ्यास हुआ। 9–प्रत्यय व उपसर्ग के प्रयोग द्वारा नवीन शब्दों का निर्माण करने का अभ्यास हुआ। 10–निर्णय लेने की क्षमता का विकास हुआ। 11–विश्लेषण क्षमता का विकास हुआ। 12–दृढ़ निश्चय के महत्त्व से परिचित हुए। 13–निरंतर संघर्ष करने और हार न मानने के महत्त्व से परिचित हुए। 14–आपसी सहयोग के महत्त्व को समझा।	
	रहीम के दोहे	1–दोहों के सस्वर गायन का अभ्यास कराना। 2–अपने विचारों को सटीक, संबद्ध	1–परस्पर बैर या झगड़े को बढ़ावा न देने हेतु प्रेरित करना। 2–समस्याओं का	पाठ पढ़ाने के पूर्व– **गतिविधि–(1)** रहीम जी के दोहों का ऑडियो सुनाकर पाठ–प्रवेश दोहों का सस्वर गायन व व्याख्या **गतिविधि (2)** परिचर्चा–'दोहे वर्तमान परिदृश्य	1–दोहों के सस्वर गायन का अभ्यास हुआ। 2–अपने विचारों को सटीक, संबद्ध व क्रमबद्ध रूप से प्रस्तुत करने का अभ्यास हुआ।	संवाद / पत्र–लेखन / तात्कालिक भाषण के माध्यम से

		व क्रमबद्ध रूप से प्रस्तुत करने का अभ्यास कराना। 3–तात्कालिक भाषण विधा से परिचित कराना तथा अभ्यास कराना। 4–दिए हुए विषयों पर मौलिक अभिव्यक्ति देने में सक्षम बनाना। 5–परिचर्चा विधा का अभ्यास कराना। 6–पी पी टी निर्माण सिखाना।	समाधान स्वयं करने में सक्षम बनाना। 3– जीवन में लक्ष्य निर्धारण का महत्त्व बताना। 4– लोक कलाओं के प्रति रुझान जागृत करना। 5–छोटे से छोटे तत्व के महत्त्व से परिचित कराना। 6– बचत का महत्त्व बताते हुए बचत हेतु प्रेरित करना। 7– पानी का महत्त्व समझाना	में भी प्रासंगिक है।' **गतिविधि–(3)** अनुच्छद–लेखन • बचत का महत्त्व • बिन पानी सब सून **गतिविधि (4)** तात्कालिक भाषण– उदाहरण– •आज की बचत, कल का आधार •बचत किसकी? •आवत गारी एक है उलटत होई अनेक––– •बड़ा हुआ सो क्या हुआ जैसे पेड़ खजूर––– •मेरे जीवन का लक्ष्य **गतिविधि (5)** 'छोटे से छोटे तत्व का महत्त्व होता है' इस विषय पर पिता व पुत्र के मध्य होने वाली बातचीत को संवाद के रूप में लिखिए। **गतिविधि (6)** 'दूसरों से अपने दुख या समस्या को न कहकर, समस्या का समाधान स्वयं करने हेतु प्रेरित करते हुए अपने छोटे भाई को पत्र लिखिए। **गतिविधि (7)** विभिन्न लोक कलाओं के विषय में जानकारी का संग्रहण व पी पी टी निर्माण (समूह)	3–तात्कालिक भाषण विधा से परिचित हुए तथा अभ्यास हुए। 4–दिए हुए विषयों पर मौलिक अभिव्यक्ति देने में सक्षम हुए। 5–परिचर्चा विधा का अभ्यास हुआ। 6–पी पी टी निर्माण करना सीखा। 7–परस्पर बैर या झगड़े को बढ़ावा न देने हेतु प्रेरित हुए। 8–समस्याओं का समाधान स्वयं करने में सक्षम हुए। 9–जीवन में लक्ष्य निर्धारण का महत्त्व जाना। 10–लोक कलाओं के प्रति रुझान जागृत हुआ। 11–छोटे से छोटे तत्व के महत्त्व से परिचित हुए। 12– बचत का महत्त्व बताते हुए बचत हेतु प्रेरित हुए। 13–पानी का महत्त्व समझा।	
	व्याकरण– **संधि–दीर्घ व गुण**	1–संधि व उसके भेदों से परिचित कराना। 2–संधि–विच्छेद व संधि करने का अभ्यास कराना।	1–क्रियात्मकता व रचनात्मकता का विकास करना। 2– आत्मविश्वास में वृद्धि करना।	वर्कशीट	1–संधि व उसके भेदों से परिचित हुए। 2–संधि–विच्छेद व संधि करने का अभ्यास हुआ। 3–क्रियात्मकता व रचनात्मकता का विकास हुआ। 4– आत्मविश्वास में वृद्धि हुई।	वर्कशीट के माध्यम से
सितंबर 21	**स्मृति**	1–संस्मरण नामक गद्य विधा से	1–नैतिक मूल्यों का विकास करना।	1–डायरी का एक पन्ना लिखें जिसमें बचपन में घटित कोई रोचक घटना का वर्णन हो।	1–संस्मरण नामक गद्य विधा से परिचित हुए।	अपठित के रूप में प्रश्नोत्तर ढूढ़ने के माध्यम से

		परिचित कराना।2–पूर्व ज्ञान का प्रयोग करके रचनात्मक लेखन कार्य करने का अभ्यास कराना। 3–अपठित के रूप में प्रश्नोत्तर ढ़ूढ़ने का अभ्यास कराना।		2– अपठित के रूप में प्रश्नोत्तर ढ़ूढ़ना	2–पूर्व ज्ञान का प्रयोग करके रचनात्मक लेखन कार्य करने का अभ्यास हुआ। 3–नैतिक मूल्यों का विकास हुआ। 4–अपठित के रूप में प्रश्नोत्तर ढ़ूढ़ने का अभ्यास हुआ।	
	तुम कब जाओगे अतिथि	1–शुद्ध उच्चारण करना सिखाना। 2–प्रभावी संवाद अदायगी करना सिखाना। 3–विराम चिह्नों का सटीक प्रयोग करना सिखाना। 4–स्क्रिप्ट लेखन सिखाना। 5–धाराप्रवाह बोलना सिखाना। 6–वाक्यों का सटीक प्रयोग करना सिखाना। 7–क्रमबद्ध एवं बिन्दुवार लिखना सिखाना। 8–प्रश्न निर्माण करने की कला में कुशल बनाना।	1–समस्या समाधान करना सिखाना। 2–संवेदनशील बनना सिखाना। 3–विश्लेषण करना सिखाना। 4–प्रभावीअभिव्यक्ति में सक्षम बनाना। 5–अभिनयक्षमता का विकास। 6–सही–गलत का निर्णय करने की क्षमता का विकास करना। 7–स्वजागरुक बनाना। 8–चिंतन कौशल का विकास करना। 9–कर्तव्यबोधकी भावना विकसित करना ।	गतिविधि (1) तुम कब जाओगे अतिथि फिल्म की क्लिपिंगस दिखाकर चर्चा **गतिविधि –(2)** आधुनिक युग के संदर्भ में अतिथि दवो भवः की व्याख्या । **गतिविधि –(3)** आपकी छोटी बहन को किसी आवश्यक कार्य हेतु 15 दिन आपके मित्र के यहाँ रूकना पड़ रहा है। उसे घर के कार्य में हाथ बंटाने तथा व्यवस्थित तरीके से रहने की सीख देते हुए पत्र–लेखन। **गतिविधि –(4)** अखबार में आने वाले खेल एवं राजनीतिक लोगों पर किए व्यंग्य का लेखन और वाचन **गतिविधि –(5)** पाठ का नाटय–रूपांतरण व प्रस्तुतीकरण।	1–शुद्ध उच्चारण करना सीखा। 2–प्रभावी संवाद अदायगी करना सीखा। 3–विराम चिह्नों का सटीक प्रयोग करना आया। 4–स्क्रिप्ट लेखन सीखा। 5–धाराप्रवाह बोलना सीखा। 6–वाक्यों का सटीक प्रयोग करना सीखा। 7–क्रमबद्ध एवं बिन्दुवार लिखना सीखा। 8–प्रश्न निर्माण करने की कला में कुशल बने। 9–मालिक लेखन का विकास हुआ। 10–आवाज के उतार चढ़ाव के साथ वाचन करना सीखा। 11–संवेदनशील बना। 12–अर्थबोध एवं ग्राह्यक्षमता बढ़ी। 13–विश्लेषण–क्षमता का विकास	पत्र के माध्यम से

		9–मौलिक लेखन का विकास करना। 10–आवाज के उतार चढ़ाव, एवं हावभाव के साथ पाठ का वाचन करना सिखाना। 11–अर्थबोध एवं ग्राह्यक्षमता बढ़ाना। 12–व्यंग्य विधा से परिचित कराना।	10–दूसरोंकी कठिनाईयोंको समझना सिखाना। 11–अतिथि दैवो भवः की युक्ति के सौन्दर्य से परिचित कराना।		हुआ। 14–प्रभावी अभिव्यक्ति। 15–सही–गलत का निर्णय लेना आया। 16–स्वजागरुक बन। 17–चिंतन करना सीखा। 18–कर्त्तव्यबोध की भावना विकसित हुई।	
	व्याकरण– विराम चिह्न	1–विभिन्न विराम चिह्नों से अवगत कराना। 2–उचित विराम चिह्नों के प्रयोग का अभ्यास कराना।	1–क्रियात्मकता व रचनात्मकता का विकास करना। 2– आत्मविश्वास में वृद्धि करना।	बोलते व लिखते समय वाक्यों में उचित विराम चिह्नों के प्रयोग से संबंधित गतिविधि	1–विभिन्न विराम चिह्नों से अवगत हुए। 2–उचित विराम चिह्नों के प्रयोग का अभ्यास हुआ। 3–क्रियात्मकता व रचनात्मकता का विकास हुआ। 4– आत्मविश्वास में वृद्धि हुई।	बोलते व लिखते समय वाक्यों में उचित विराम चिह्नों के प्रयोग से संबंधित गतिविधि के माध्यम से
	कल्लू कुम्हार की उनाकोटी	1–यात्रा वृत्तांत में बच्चों की रूचि जगाना। 2–संस्मरण के आधार पर लिखना सिखाना। 3–अपठित के रूप में प्रश्नोत्तर ढूढ़ने का अभ्यास कराना।	1–साहस, विनम्रता आदि नैतिक मूल्यों के महत्त्व से परिचित कराना।	1–स्वयं की किसी यात्रा का वृत्तांत मौखिक रूप से सुनाना। 2–अपठित के रूप में प्रश्नोत्तर ढूढ़ना	1–यात्रा वृत्तांत में बच्चों की रुचि बढ़ी। 2–संस्मरण के आधार पर लिखना सोखा। 3–अपठित के रूप में प्रश्नोत्तर ढूढ़ने का अभ्यास हुआ। 4–साहस, विनम्रता आदि नैतिक मूल्यों के महत्त्व से परिचित हुए।	अपठित के रूप में प्रश्नोत्तर ढूढ़ने के माध्यम से

अक्तूबर 17	**पुनरावृत्ति**			**03 अक्तूबर– 13 अक्तूबर** **2nd Periodical Test**		
नवंबर 23	**वैज्ञानिक चेतना के वाहक –चंद्रशेखर वेंकटरामन**	1–पठन कौशल का विकास करना। 2–लेखन कौशल का विकास करना। 3–शब्द भंडार में वृद्धि करना। 3–वैज्ञानिक गतिविधियो व उनके प्रयोग की ओर उन्मुख करना। 4–अपने परिवेश व प्रकृति से परिचित कराना। 5–साहित्य के गद्य विधा लेख/निबंध लेखन की योग्यता का विकास करना। 6–समाचार लेखन व वाचन सिखाना। 7–जीवनी लेखन सिखाना।	1–दृढइच्छाशक्ति क महत्त्व से परिचित कराना। 2–संधर्षशील बनान हेतु प्रेरित करना। 3–तार्किक क्षमता का विकास करना। 4–निर्णय क्षमता का विकास करना। 5–चिंतनशीलता का विकास करनाा। 6–तथ्यों व प्रकृति में विद्यमान पदार्थों का विश्लेषण करना सिखाना। 7–संस्कृति के प्रति आस्था व सम्मान की भावना का विकास करना। 8–शोध केप्रति रुचि जागृत करना। 9–देश प्रेम की भावना जागृत करना। 10–नैतिक मूल्यों का विकास करना।	**गतिविधि 1**(लेखन कौशल) वैज्ञानिक सी. वी. रामन् का जीवन परिचय अपने शब्दों में लिखिए । **गतिविधि–2** (पठन व लेखन कौशल) भारत के किन्ही दो वैज्ञानिकों के अनुसंधान की जानकारी देते हुए समाचार लिखकर वाचन कीजिए। **गतिविधि– 3**(लेखन कौशल) परिश्रम और लगन सफलता का आधार है विषय पर अनुच्छेद लिखिए। **गतिविधि 5**(लेखन कौशल) अभ्यास पत्रक	1–पठन व लेखन कौशल का विकास हुआ। 2–शब्द भंडार में वृद्धि हुई। 3–वैज्ञानिक गतिविधियो व उनके प्रयोग की ओर उन्मुख हुए। 4–समाचार लेखन व वाचन सीखा। 5–दृढइच्छाशक्ति,संघर्ष परिश्रम का महत्त्व जाना। 6–तथ्यों व प्रकृति में विद्यमान पदार्थों के विश्लेषण हेतु वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित हुआ। 7–अपने परिवेश व प्रकृति से परिचित हुए। 8–साहित्य के गद्य विधा लेख/निबंध लेखन की योग्यता का विकास हुआ। 9–जीवनी लेखन कला से परिचित हुए। 10–संधर्षशील बनन हेतु प्रेरित हुए। 11–तार्किक क्षमता, निर्णय क्षमता व चिंतनशीलता का विकास हुआ।	अभ्यास पत्रक/ अनुच्छेद के माध्यम से

	एक फूल की चाह	1– कविता को कहानी के रूप में लिखनेकी योग्यता का विकास करना। 2–पद्य को गद्य रूप में लिखने की योग्यता का विकास करना। 3–कविता का सार लिखना सिखाना। 4–शब्द भंडार में वृद्धि करना। 5–नारे/स्लोगन निर्माण सिखाना। 6–चित्र वर्णन व संदेश लिखने का अभ्यास कराना ।	1–सामाजिक बुराइयों से अवगत कराना। 2–छुआछूत व भेदभाव न करने की सीख देना। 3–समानता का भाव जागत करना। 4–विषयवस्तुको वास्तिविक जीवन में देखी –सुनी घटना से संबद्ध करने की योग्यता का विकास करना। 5'–नैतिक मूल्यों का विकास करना। 6–चिंतनशीलता का विकास करना। 7–संवेदनशील बनाना। 8–समाज में जीवन के प्रति स्वस्थ दृष्टिकोण का विकास करना। 9–मनुष्य मात्र के स्वभाव एवं व्यवहार की जानकारी देना। 10–विषयक पक्ष–विपक्ष में तर्क के साथ अपनी बात प्रस्तुत करना सिखाना। 11–सही गलत का	**गतिविधि –1(पढना व लेखन कौशल)**– निराला जी की कविता **सरोज स्मृति** पढकर सारांश लिखिए। **गतिविधि–2 लेखन कौशल**–सामजिक असमानता को दर्शाते हुए पोस्टर निर्माण कीजिए। **गतिविधि–3–लेखन कौशल** कविता के घटनाक्रम को कहानी के रूप में लिखिए। **गतिविधि–4 लेखन कौशल** वर्गभेद को मिटाने हेतु नारे तैयार कीजिए। **गतिविधि –5 बोलना कौशल** प्राचीन सामाजिक बुराइयों का परिणाम आरक्षण विषय पर विचाराभिव्यक्ति।	1– कविता को कहानी के रूप में लिखनेकी योग्यता का विकास हुआ। 2–पद्य को गद्य रूप में लिखने की योग्यता का विकास हुआ। 3–कविता का सार लिखना सोखा। 4–शब्द भंडार में वृद्धि हुई। 5–नारे/स्लोगन निर्माण सोखा। 6–चित्र वर्णन व संदेश लिखने का अभ्यास हुआ । 7–सामाजिक बुराइयों से अवगत हुए। 8–छुआछूत व भेदभाव न करने की सीख से परिचित हुए। 9–समानता का भाव जागत हुआ। 10–विषयवस्तुको वास्तिविक जीवन में देखी –सुनी घटना से संबद्ध करने की योग्यता का विकासहुआ। 11–नैतिकमूल्यों का विकास हुआ। 12–चिंतनशीलता का विकास हुआ। 13–संवेदनशील बन। 14–समाज में जीवन के प्रति स्वस्थ दृष्टिकोण का विकास हुआ। 15–मनुष्य मात्र के स्वभाव एवं व्यवहार से परिचित हुए।। 16–विषयक पक्ष–विपक्ष में तर्क	नारे/ कविता का कहानी के रूप में रूपांतरण के माध्यम से

			निर्णय लेने की क्षमता का विकास करना।		के साथ अपनी बात प्रस्तुत करना सीखा। 11–सही गलत का निर्णय लेने की क्षमता का विकास हुआ।	
दिसंबर 22	**कीचड़ का काव्य**	1–निबंध विधा में बच्चों की रुचि बढ़ाना। 2–कल्पनाशीलता का विकास करना। 3–निबंध में आए कठिन व सांकेतिक शब्दों के अर्थ से बच्चों को परिचित कराना। 4–ध्यानपूर्वक सुनने की कला को विकसित करना। 5–ग्राह्य क्षमता का विकास करना। 6–प्रभावी संप्रेषण में सक्षम बनाना। 7–आवाज के उतार–चढ़ाव एवं हाव–भाव के साथ प्रभावपूर्ण वाचन का अभ्यास कराना। 8–निबंध में काव्य शैली के समावेश को समझाना।	1–निर्णय लेन की क्षमता का विकास करना। 2–चिंतन कौशल का विकास करना। 3–संवेदनशीलता को बढ़ाना। 4–जीवन में कीचड़ की उपयोगिता के महत्त्व को समझना। 5–कोई भी वस्तु जीवन में हेय नहीं है–यह समझाना। 6–प्रकृति केसभी घटक–वनस्पति, पशु–पक्षी व अन्य तत्वों की सुंदरता के बारे में समझाना।	गतिविधि (1) समूह चर्चा–कल्पना कीजिए कि यदि कीचड़ ना होता तो क्या होता ? गतिविधि (2) पाठ में दिए गए कीचड़ के सौंदर्य पर आधारित कुछ दृश्यों में से किन्हीं दो दृश्यों के रंगीन व आकर्षक चित्र बनाइए एवं उसका वर्णन व संदेश 30–40 शब्दों में लिखिए। गतिविधि (3)आपसी प्रश्नोत्तर गतिविधि गतिविधि (4) स्वरचित कविता लेखन–प्रकृति निर्मित कुछ तत्वों पर प्रायःकोई कुछ नहीं लिखता। आइए , ऐसे विषयों पर 8–10 पंक्तियाँ लिखने का प्रयास करें– रेत, सूखे पत्ते, ठूंठ (पेड़ का सूखा तना), पत्थर, फलों/ सब्जियों के बीज। गतिविधि (5) गोबर गैस (बायोगैस) प्लांट व कचरे से बिजली निर्माण पर आधारित वीडियो दिखाना व उसपर चर्चा **गोबर गैस प्लांट की उपयोगिता | इंडिया वाटर पोर्टल** ...hindi.indiawaterportal.org › **कचरे से बिजली का हल | विज्ञान-** www.dw.com/hi// a-16455262 **कचरे से बिजली बनाने वाले संयंत्र का ट्रायल शुरू** ...www.jagran.com/delhi/new-delhi-city-14115360.html	1–निबंध विधा में बच्चों की रुचि बढ़ी। 2–कल्पनाशीलता का विकास हुआ। 3–निबंध में आए कठिन व सांकेतिक शब्दों के अर्थ से बच्चे परिचित हुए। 4–ध्यानपूर्वक सुनने की कला विकसित हुई। 5–ग्राह्य क्षमता का विकास हुआ। 6–आवाज के उतार–चढ़ाव एवं हाव–भाव के साथ प्रभावपूर्ण वाचन का अभ्यास हुआ। 7–निबंध में काव्य शैली के समावेश को समझा। 8–निर्णय लेने की क्षमता तथा चिंतन कौशल का विकास हुआ। 9–बच्चों में संवेदनशीलता बढ़ी। 10–उन्होंने जीवन में कीचड़ की उपयोगिता के महत्त्व को समझा। 11–कोई भी वस्तु जीवन में हेय नहीं है–यह माना। 12–प्रकृति के सभी घटक–वनस्पति, पशु–पक्षी व अन्य तत्वों की सुंदरता के बारे में समझा।	समूह–चर्चा के माध्यम से

		9–चित्र वर्णन (संदेश) करना सिखाना।		गतिविधि (6) अनुच्छेद लेखन– " हर व्यक्ति / वस्तु सुंदर है, बस देखने का नज़रिया चाहिए " गतिविधि (8) पत्र लेखन –अपने छोटे भाई को पत्र लिखकर जमीन से जुड़े लोगो–किसान, मजदूर, सैनिक व पहलवानों आदि के महत्त्व एवं उनके प्रति अपने कर्तव्यों के बारे में लिखिए।		
	मेरा छोटा–सा निजी पुस्तकालय	1–पुस्तकें हमारी सबसे अच्छी मित्र है– इस तथ्य से परिचित कराना। 2–इच्छा शक्ति का महत्त्व समझाना।	1–लिखित अभिव्यक्ति का विकास करना। 2–अतिरिक्त वाचन हेतुप्रोत्साहित करना।	1–अपठित तौर पर प्रश्नों के उत्तर ढूंढकर लिखना। 2.–अपनी मनपसंद पुस्तक के विषय में विचार प्रकट करना। (पुस्तक का नाम तथा उसकी विषयवस्तु)	1–पुस्तकें हमारी सबसे अच्छी मित्र है– इस तथ्य से परिचित हुए। 2–इच्छा शक्ति क महत्त्व समझा। 3–लिखित अभिव्यक्ति का विकास हुआ। 4–अतिरिक्त वाचन हेतुप्रोत्साहित हुए।	अपठित तौर पर प्रश्नों के उत्तर / मनपसंद पुस्तक की समीक्षा के माध्यम से
जनवरी 20	**अग्निपथ**	1–अपने विचारों को सटीक एवं तर्कपूर्ण भाषा में प्रस्तुत करनासिखाना। 2–शुद्ध उच्चारण , उचित गति , विराम का प्रयोग करते हुए वाचन करना सिखाना। 3–कल्पनाशीलता का विकास करना। 4–विषयगत	1–दृढ़ इच्छाशक्ति से आगे बढ़ने की प्रेरणा देना। 2–सुख–सुविधाओं पर निर्भर न रहन की सीख देना। 3–परिश्रमका महत्त्व समझाना। 4–संघर्ष से न घबराने की शिक्षा देना।	**गतिविधि– (1)** पाठ पढ़ाने के पूर्व ttps://www.youtube.com/watch?v=0lCmPjO78bA 27/01/2012 - abhishek sharma द्वारा **अपलोड किया गया अमिताभ बच्चन** द्वारा **कविता अग्निपथ का वाचन** **गतिविधि– (2)** फिल्में समाज को बदलने का सशक्त माध्यम है । आपको कौन–से फिल्मी गीत से प्रेरणा मिलती है ? उसकी दो पंक्तियाँ कक्षा में सुनाइए। **गतिविधि– (3)** आपको गीत से क्या प्रेरणा मिलती है ? तीन–चार वाक्यों में लिखकर कक्षा में पढ़कर सुनाइए।	1–अपने विचारों को सटीक एवं तर्कपूर्ण भाषा में प्रस्तुत करने लगे। 2–शुद्ध उच्चारण , उचित गति , विराम का प्रयोग करते हुए वाचन करना सीखा। 3–कल्पनाशीलता का विकास हुआ। 4–विषयगत स्थितियों को एकत्र कर उनका प्रयोग करना सीखा। 5–रोचकता के साथ अपनी बात कहना सीखा। **6**–दृढ़ इच्छाशक्ति से आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली।	परिचर्चा के माध्यम से

		स्थितियों को एकत्र कर उनका प्रयोग करना सिखाना। 5—रोचकता के साथ अपनी बात कहन का अभ्यास कराना। 6 परिचर्चा का अभ्यास कराना।		**गतिविधि— (4)परिचर्चा** —जीवन सुखों की राह नहीं	7—सुख सुविधाओं पर निर्भर न रहना की शिक्षा मिली। 8—परिश्रम का महत्त्व समझाने लगे। 9—संघर्ष से न घबराने की शिक्षा मिली।	
	धर्म की आड़	1—लेखन कौशल का विकास करना। 2—मौखिक अभिव्यक्ति का विकास करना। 3—अनुच्छेद लेखन व सार लेखन सिखाना। 4—चित्र निर्माण,संदेश व वर्णन सिखाना। 5—शब्द भंडार में वृद्धि करना।	1—सर्वधर्म समभाव जाग्रत करना। 2—विभिन्न धर्मोंसे परिचित कराना। 3—तार्किक क्षमता का विकास। 4—निर्णय क्षमता का विकास। 5—सामाजिकता का पाठ पढाना। 6—पाठ में वर्णित घटनाओं का प्रामाणिक तथ्य प्रस्तुत करना। 7—समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों का चरित्र —चित्रण करना। 8—सामाजिक जीवन की अच्छाइयों व बुराइयों से परिचित कराना। 9—विश्लेषण क्षमता	**गतिविधि —(1) अभ्यास पत्रक** **गतिविधि—2** (लेखन कौशल) (अनुच्छेद—लेखन) धर्म की आङ में पिसते धर्मभीरू / निर्दोष **गतिविधि—3** (लेखन—कौशल) परहित सरस धरम नहीं भाई—भाव पल्लवन । **गतिविधि—4** (लेखन कौशल) सर्वधर्म समभाव —चित्र वर्णन व संदेश। **गतिविधि—5** (मौखिक) फिल्म पी. के. तथा ओ माइ गॉड की समीक्षा	1—लेखन कौशल का विकास हुआ। 2—मौखिक अभिव्यक्ति का विकास हुआ। 3—अनुच्छेद लेखन व सार लेखन सीखा। 4—चित्र निर्माण,संदेश व वर्णन में सक्षम हुए। 5—शब्द भंडार में वृद्धि हुई। 6—सर्वधर्म समभाव जाग्रत हुआ। 7—विभिन्न धर्मोंसे परिचित हुए। 8—तार्किक क्षमता व निर्णय क्षमता का विकास हुआ। 9—विचारों को खुलकर व्यक्तकरने में सक्षम हुए। 10—समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों के चरित्र का विश्लेषण करने में सक्षम हुए 11—सामाजिक जीवन की अच्छाइया व बुराइयों से परिचित हुए। 12—समाज के प्रति अपने	भाव—पल्लवन / अनुच्छेद—लेखन के माध्यम से

			का विकास करना। 10–भावनात्मक संतुलन की सीख देना। 11–धर्म निरपेक्ष बनाना। 12–कर्तव्य बोध कराना। 13–सदाचार व शिष्टाचार की सीख देना। 14–नैतिक मूल्यों का विकास करना। 15–विचार स्वातंत्र की प्रेरणा देना। 16–संवेदनशील बनाना। 17–स्वजागरूक बनाना। 18–बाहरी दिखावा व आडंबर न करने की सीख देना।		कर्तव्यों का बोध हुआ।	
	व्याकरण– संधि,,अपठित गद्यांश, अपठित पद्यांश	1–संधि व उसके प्रकारों से परिचित कराना। 2–गद्यांश व पद्यांश को समझकर उत्तर लिखने में सक्षम बनाना।	1–क्रियात्मकता का विकास करना। 2–आत्मविश्वास में वृद्धि करना।	संधि–विच्छेद व संधि करना अपठित गद्यांश अपठित पद्यांश	1–संधि व उसके प्रकारों से परिचित हुए। 2–गद्यांश व पद्यांश को समझकर उत्तर लिखने में सक्षम बने। 3–क्रियात्मकता का विकास हुआ। 4–आत्मविश्वास में वृद्धि हुई।	संधि–विच्छेद व संधि करना अपठित गद्यांश अपठित पद्यांश के माध्यम से
फरवरी 21	**हामिद खाँ**	1–लिखित अभिव्यक्ति का	1–सर्वधर्म समभाव को भावना जागृत	अपठित तौर पर उत्तर ढूँढ़ना	1–लिखित अभिव्यक्ति का विकास हुआ।	अपठित तौर पर उत्तर ढूँढ़न के माध्यम से

		विकासकरना।2–अपने विचारों को सटीक एवं तर्कपूर्ण भाषा में प्रस्तुत करन का अभ्यास कराना। 3–अपठित तौर पर उत्तर ढूँढन का अभ्यास कराना।	करना। 2–सच्चीमित्रता का महत्त्व समझाना। 3–नैतिक मूल्यों का महत्त्व समझाना।		2–अपने विचारों को सटीक एवं तर्कपूर्ण भाषा में प्रस्तुत करन का अभ्यास हुआ। 3–अपठित तौर पर उत्तर ढूँढ़न का अभ्यास हुआ। 1–सर्वधर्म समभाव को भावना जागृत हुई। 2–सच्चीमित्रता का महत्त्व समझा। 3–नैतिक मूल्यों का महत्त्व समझा।	
	गीत–अगीत	1–कल्पनाशीलता का विकास करना। 2–चित्रात्मक भाषा के आनंद की अनुभूति कराना। 3–अभी तक पढ़े हुए पर्यायवाची शब्दों का अनुप्रयोग करना सिखाना। 4–चित्र–वर्णन एवं संदेश का अभ्यास कराना। 5–अपनी बात को तर्क देकर आत्मविश्वास से बोलना सिखाना।	1–प्रकृति के विभिन्न उपादानों फूलों, वृक्षों ,नदियों आदि के सौंदर्य का वर्णन करना। 2–प्रकृति के साथ विभिन्न पशु–पक्षियों के अटूट संबंध को सिद्ध करना। 3–मानवीय जीवन पूर्णतः प्रकृति पर आश्रित है–यह समझाना। 4–जीवन में मौन एवं भाषा दोनों का परिस्थितिनुसार उचित महत्त्व है–यह समझाना। 5–चिंतन कौशल	**कविता पढ़ाने से पूर्व गतिविधि–1.** कुछ कल्पना चित्र देकर बच्चों को मौन रहकर विचार करने के लिए कहना एवं चित्र से संबंधित कुछ बिंदु पुस्तिका में लिखने हेतु देना। **गतिविधि (2)आपसी प्रश्नोत्तर गतिविधि** **गतिविधि (3)**कुछ माध्यम ऐसे हैं जो स्वयं चुप रहकर भी बहुत कुछ कह जाते हैं कैसे ? उदाहरण देकर लिखिए एवं उस लेख को कक्षा में पढ़िए– संकेत , चित्र , अभिनय , पत्र, किताबें" " " " " " " " " " **गतिविधि (4)** विचारात्मक लेखन–मनुष्य को प्रकृति किस–किस रूप में प्रभावित व प्रेरित करती है ? सोदाहरण लिखिए (ऋतुओं का बदलना, मौसम, प्रकृति सौंदर्य, प्राकृतिक तत्व, आपदाएँ) **गतिविधि (5)** अपने विचार पढ़कर सुनाना–अपने अनुभवों के आधार पर उदाहरण	1–कल्पनाशीलता का विकास हुआ। 2–चित्रात्मक भाषा के आनंद की अनुभूति की। 3–अभी तक पढ़े हुए पर्यायवाची शब्दों का अनुप्रयोग करना सीखा। 4–चित्र–वर्णन एवं संदेश का अभ्यास किया। 5–अपनी बात को तर्क देकर आत्मविश्वास से बोलना सीखा। 6–प्रकृति के साथ विभिन्न पशु–पक्षियों के अटूट संबध को अच्छी तरह जाना। 7–मानवीय जीवन पूर्णतः प्रकृति पर आश्रित है–यह जाना। 8–जीवन में मौन एवं भाषा दोनों का परिस्थितिनुसार उचित महत्त्व है–यह जाना।	चित्र–वर्णन के माध्यम से

			का विकास करना।	देकर सुनाइए कि किन परिस्थितों में भाषा से कार्य की सफलता निश्चित है तथा कब मौन रहकर आपका कार्य पूर्ण हो सकता है।	9–चिंतन कौशल का विकास हुआ।	
	नए इलाके में खुशबू रचते हैं हाथ	1–कविता को एकाग्रता के साथ सुनना सिखाना। 2–कविता का गद्य रूपांतरण करना सिखाना। 3–कविता की सरलऔर रुचिकर शैली से परिचित कराना 4–कविता के संदेश को लिखना एवं अभिव्यक्ति (बोलना)। 5–अर्थ ग्रहण करने की क्षमता का विकास करना। 6–प्रतीकात्मक शब्दों के अर्थों से परिचित कराना। 7–कविता में आए नए शब्दों का अर्थ सिखाना। 8–कविता की प्रमुख पंक्तियों का भाव स्पष्ट करना सिखाना। 9–कविता लेखन	1–समस्या समाधान करना सिखाना । 2–संवेदनशील बनना सिखाना। 3–परिवर्तन को स्वीकार करना। 4–पर्यावरण के प्रति जागरुक करना। 5–तकनीक के साथ स्वयं को जोड़ना। 6–सही–गलत का निर्णय लेना। 7–स्वजागरुक बनाना। 8–चिंतन करना सिखाना। 9–कर्तव्यबोध की भावना विकसित करना सिखाना।	**पाठ पढ़ाने के पूर्व की गतिविधि–(1)** पी पी टी /वीडियो दिखाकर चर्चा **गतिविधि –(2)** अनुच्छेद लेखन–परिर्वतन संसार का नियम है। समूहचर्चा– बढ़ते निर्माण कार्य से देश की प्रगति संभव है। **गतिविधि –(3)** पोस्टर, नारे, स्लोगन – पर्यावरण बचाएँ ●**पत्रलेखन**– नई तकनीकी के साथ जुड़ने की सलाह देते हुए तथा उसके फायदे बताते हुए पिता को एक पत्र लिखिए। **गतिविधि –(4)** कविता का गद्य रूपान्तरण **कविता खुशबू रचते हैं हाथ** **गतिविधि –(1)** अनुच्छेद लेखन–सबको मिले शिक्षा का अधिकार। **गतिविधि –(2)** पोस्टर ,नारे स्लोगन – सबको मिले समान अधिकार। **गतिविधि –(3)** नुक्कड़ नाटक **गतिविधि –(4)** कविता का गद्य रूपान्तरण कर **गतिविधि –(5)** विज्ञापन – घरेलू उद्योग	1–कविता को एकाग्रता के साथ सुनना सीखा। 2–कविता का गद्य रूपांतरण करना सीखा। 3–कविता की सरल और रुचिकर शैली से परिचित हुए। 4–कविता के संदेश को लिखना एवं अभिव्यक्त करना सीखा। 5–अर्थ ग्रहण करने की क्षमता का विकास हुआ। 6–प्रतीकात्मक शब्दों के अर्थों से परिचित हुए। 7–कविता में आए नए शब्दों का अर्थ सीखा। 8–कविता की प्रमुख पंक्तियों का भाव स्पष्ट करना सीखा। 9–कविता लेखन की ओर रुचि जागृत हुई। 10–समस्या समाधान करना आया । 11–संवेदनशील बने। 12–परिवर्तन को स्वीकार करना आया। 13–पर्यावरण के प्रति जागरुक हुए। 14–तकनीक के साथ स्वयं को जोड़ा। 15–सही–गलत का निर्णय लेना सीखा।	विज्ञापन–निर्माण/नारे/पत्र के माध्यम से

		की ओर रुचि जागृत करना।			16–स्वजागरुक बने। 17–चिंतन करना सीखा।	
मार्च 21	**शुक्र तारे के समान**	1–उतार–चढ़ाव,उचित विराम चिह्न का प्रयोग, गति और यति के साथ वाचन करना सिखाना। 2–रचनात्मकता का विकास करना। 3–एकाग्रता से सुनना । 4–साक्षात्कार विधा से परिचित कराना। 5– सटीक वाक्य रचना करना सिखाना।	1–कार्य के प्रति निष्ठाव लगन के लिए प्रेरित करना। 2–अपने व्यवहार से किसी को आहत न करने की सीख देना। 3–जिम्मेदारियों का सजगता के साथ निर्वाहन करना सिखाना। 4–विनम्र बनना।	पाठ पढ़ाने के पूर्व – **गतिविधि 1** सौरमंडल की जानकारीदेते हुएशुक्रतारे के बारे में पूछना। **गतिविधि 2 समाचार निर्माण** –हार्निमैन की गिरफ्तारी , महादेव भाई की रेलयात्रा, पंजाब में फौजी शासन **गतिविधि 3 साक्षात्कार**–महादेव भाई , गांधीजी , हार्निमैन	1–उतार–चढ़ाव,उचित विराम चिह्न का प्रयोग, गति और यति के साथ वाचन करना सीखा। 2–रचनात्मकता का विकास हुआ। 3– साक्षात्कार विधा को समझा। 4–सटीक वाक्य रचना करना सीखा। 5– अपने व्यवहार से किसी को आहत न करने की सीखा। 6– जिम्मेदारियों का सजगता के साथ निर्वहन करना सीखा। 7– विनम्र बन।	समाचार लेखन/ वाचन के माध्यम से
	दीए जल उठे	1–लिखित अभिव्यक्ति का विकास करना। 2–अपने विचारों को सटीक एवं तर्कपूर्ण भाषा में प्रस्तुत करन का अभ्यास कराना। 3–समाचार लेखन का अभ्यास	1–लक्ष्य पूर्ति के लिये कठोर प्रयत्न करन की सीख देना 2–एकता के महत्त्व से परिचित कराना।3–देश–प्रेम को भावनाको बढ़ाना।	समाचार लेखन अपठित तौर पर उत्तर ढूँढ़ना।	1–लिखित अभिव्यक्ति का विकास हुआ 2–अपने विचारों को सटीक एवं तर्कपूर्ण भाषा में प्रस्तुत करन का अभ्यास हुआ। 3–समाचार लेखन का अभ्यास हुआ। 4–लक्ष्य पूर्ति के लिये कठोर प्रयत्न करन की सीख मिली। 5–एकता के महत्त्व से परिचित	अपठित तौर पर उत्तर ढूँढ़न के माध्यम से

		कराना।			हुए। 3—देश—प्रेम को भावना बढ़ी ।	
				Final Assesment Test -26 March-06 April		